Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 04-08-2006

Participants : Chatterjee Shri Somnath

an>

Title : Regarding creation of an unfortunate situation due to interruption in Private Member's Business.

सभापति महोदय : आज सदन में प्राइवेट मेम्बर्स बिजनेस है, उसे यदि रोकेंगे तो यह भारत की संसद के इतिहास में एक नई परम्परा होगी।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : पूरा देश हमें देख रहा है, इसलिए मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूं कि आप अपना-अपना स्थान ग्रहण करें और प्राइवेट मेम्बर्स बिजनेस चलने दें।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आज पूरा देश देख रहा है।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आसन को भी तो बोलने दें। पूरा देश देख रहा है कि भारतीय संसद में क्या हो रहा है।

...(व्यÉvÉÉxÉ[R6])

सभापति महोदय : प्राइवेट मैम्बर बिल को रोका जा रहा है, यह नयी स्थिति पैदा हो रही है, अजब स्थिति पैदा हो रही है।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : प्राइवेट मैम्बर बिजनैस संचालित नहीं होने दिया जा रहा है, यह कोई पक्ष और विपक्ष की बात नहीं है।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : एक नयी परिस्थिति, एक नयी परम्परा पैदा हो रही है, भारतीय लोकतंत्र में, भारत के संसदीय इतिहास में अजीब मिसाल पैदा हो रही है, यह अच्छी बात नहीं है। आज पूरा देश हमको और आपको देख रहा होगा। हम सभी लोग संसद में मौजूद हैं प्राइवेट मैम्बर बिजनैस के लिए, लेकिन दुःखद स्थिति पैदा हो रही है। मैं समझता हूं कि यह अच्छी बात नहीं है। मैं बार-बार आपसे अनुरोध कर रहा हूं कि माननीय सांसद कृपया अपनी सीटों पर जाएं।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : जो नारे लगाये जा रहे हैं, यह कोई अच्छी बात नहीं है। माननीय सदस्यों द्वारा लंग्स-पावर से सदन को चलने से रोकना क्या सही बात है?

...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : संसदीय इतिहास में यह पहली बार है कि प्राइवेट मैम्बर बिजनैस को रोका जा रहा है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : यह अच्छी परम्परा नहीं है, यह नयी परम्परा डाली जा रही है, संसदीय लोकतंत्र में नयी परम्परा डाली जा रही है, लंग्स-पावर से प्राइवेट मैम्बर बिजनैस को रोका जा रहा है, यह नयी स्थिति पैदा की जा रही है।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet on Monday, the 7th August, 2006 at 11 a.m.

15.38 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on[r7] Monday, August 7, 2006/Sravana 16, 1928 (Saka)